Nifty500 अहिंसा इंडेक्स: मूल्य-आधारित निवेश और उसकी सीमाएँ

खबरों में क्यों

NSE की सूचकांक-शाखा NSE Indices ने जुलाई 2026 में Nifty500 अहिंसा इंडेक्स शुरू किया; Indian Express के अनुसार यह 10 जुलाई को लॉन्च हुआ [प्रेस]। यह Nifty 500 के उन शेयरों का थीमैटिक सूचकांक है जिनका व्यवसाय 'अहिंसा' के सिद्धांत, यानी पशुओं को हानि न पहुँचाने के मानक से मेल खाता माना गया [प्रेस]। TOI के अनुसार इसे Ahimsagain Foundation के 'अहिंसा इन्वेस्टमेंट मूवमेंट' (AIM) ढाँचे के सहयोग से बनाया गया [प्रेस]। **मुख्य प्रश्न: नैतिक छनाई कौन तय करता है, और सूचकांक में क्या शामिल या बाहर होता है।**

सूचकांक की मूल बातें

TOI के अनुसार सूचकांक का आधार-दिनांक 1 अप्रैल 2016 और आधार-मूल्य 1,000 है; घटकों की समीक्षा और पुनर्संतुलन छमाही होगा तथा भार फ्री-फ्लोट बाज़ार पूँजीकरण से तय होंगे [प्रेस]। TOI के अनुसार सूचकांक से फंड मैनेजरों के लिए बेंचमार्क बनने और ETF, इंडेक्स फंड जैसे उत्पादों के सृजन में मदद की अपेक्षा है [प्रेस]। इस अध्ययन में NSE Indices का मूल पद्धति-दस्तावेज़ नहीं पढ़ा जा सका; इसलिए चयन-नियम प्रेस और AIM के प्रकाशित ढाँचे से लिए गए हैं।

AIM का वर्गीकरण

AIM के प्रकाशित दस्तावेज़ के अनुसार वह किसी कंपनी को पशु-हानि के आधार पर तीन रंग-श्रेणियों में रखता है: हरा (उच्च अहिंसा-भागफल), नारंगी (मध्यम) और लाल (निम्न)। दस्तावेज़ कहता है कि लक्ष्य 100% अहिंसक कंपनियाँ खोजना नहीं, बल्कि अपेक्षाकृत कम हानि वाली कंपनियों की ओर पैसा ले जाना है [प्राथमिक, AIM]। कंपनी को उसके वास्तविक व्यवसाय और कमाई से आँका जाता है, हर दूरस्थ संबंध से नहीं। उदाहरण के लिए सॉफ़्टवेयर, दूरसंचार, सीमेंट, अस्पताल, बीमा और स्टॉक एक्सचेंज हरे में गिने गए, जबकि बैंक, NBFC और ब्रोकिंग जैसी वित्तीय कंपनियाँ नारंगी में रखी गईं क्योंकि उनका निवेश पशु-आधारित उद्योगों तक भी जाता है [प्राथमिक, AIM]।

TOI के अनुसार केवल हरी श्रेणी की कंपनियाँ सूचकांक के लिए पात्र हैं; नारंगी और लाल श्रेणी की कंपनियाँ बाहर रखी गई हैं [प्रेस]। चूँकि AIM के ढाँचे में बैंक और NBFC नारंगी में हैं, इसलिए यह नियम लागू होने पर उनके बाहर रहने की संभावना बनती है, पर यह निष्कर्ष आधिकारिक सूचकांक-पाठ से सत्यापित नहीं है [विश्लेषण]। किसी विशिष्ट कंपनी का समावेश या बहिष्कार इस अध्ययन में सत्यापित नहीं किया गया।

BSE का समानांतर प्रयोग

BSE Index Services ने 17 जून 2026 को BSE Saatvik 100 शुरू किया। यह BSE 500 के उन शेयरों से बना है जो 'सात्त्विक' सिद्धांतों से मेल खाते हैं; आधार-मूल्य 1,000 है और इसका पुनर्गठन जून व दिसंबर में छमाही होता है [प्राथमिक, BSE प्रेस विज्ञप्ति]। विज्ञप्ति के अनुसार इसका उपयोग ETF और इंडेक्स फंड जैसी निष्क्रिय रणनीतियों तथा PMS/म्यूचुअल फंड के बेंचमार्क के लिए हो सकता है। विज्ञप्ति में 'सात्त्विक' सिद्धांतों की परिभाषा या छनाई-नियम नहीं दिए गए हैं, इसलिए NSE के पशु-हानि-आधारित सूचकांक से इसकी कसौटियों की सीधी तुलना इस अध्ययन में संभव नहीं है।

विश्लेषण

ESG ढाँचे पर्यावरण, सामाजिक और शासन के मानकों पर कंपनियों को आँकते हैं; यह सूचकांक एक अलग प्रश्न उठाता है, यानी पशु-हानि। इसकी सीमाएँ ये हैं: (1) नैतिक कसौटी एक गैर-लाभकारी संस्था की पद्धति से आती है, जिसे AIM स्वयं 'व्यक्तिगत और व्यक्तिपरक' मूल्य बताता है [प्राथमिक/विश्लेषण]; (2) बैंकों जैसे बड़े क्षेत्रों का बाहर रहना सूचकांक को क्षेत्रीय रूप से झुका सकता है [विश्लेषण]; (3) प्रदर्शन या ETF की माँग का कोई आँकड़ा इस अध्ययन में नहीं है।

परीक्षा की दृष्टि से

GS-3: पूँजी बाज़ार, थीमैटिक/सूचकांक, निवेशक-जागरूकता। **GS-4:** नैतिकता बनाम वित्त, मूल्य-आधारित निवेश। प्रमुख बिंदु: सूचकांक का आधार और पुनर्संतुलन, अहिंसा-आधारित छनाई और उसका स्रोत, ESG से अंतर, NSE (अहिंसा) और BSE (सात्त्विक) की शुरुआत, पद्धति की व्यक्तिपरकता [विश्लेषण]।

मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

"मूल्य-आधारित निवेश सूचकांकों (जैसे अहिंसा-सूचकांक) का भारतीय पूंजी बाजार में क्या महत्व है? संक्षेप में उपयोगिता और सीमाएँ बताइए।" (सामान्य अध्ययन-III; 150 शब्द)

उत्तर की रूपरेखा:

भूमिका में: बताएँ कि NSE Indices ने जुलाई 2026 में Nifty500 अहिंसा इंडेक्स लॉन्च किया — Nifty 500 के उन शेयरों का थीमैटिक सूचकांक जिनका व्यवसाय 'अहिंसा', यानी पशुओं को हानि न पहुँचाने के मानक से मेल खाता माना गया; इसे मूल्य-आधारित निवेश की अवधारणा और BSE Saatvik 100 (17 जून 2026) जैसे समानांतर प्रयोगों से जोड़ें।

मुख्य भाग में: उपयोगिता बताएँ: फंड मैनेजरों के लिए बेंचमार्क बनना और ETF व इंडेक्स फंड जैसे उत्पादों के सृजन में मदद की अपेक्षा; तंत्र समझाएँ — आधार-दिनांक 1 अप्रैल 2016, आधार-मूल्य 1,000, छमाही समीक्षा-पुनर्संतुलन और फ्री-फ्लोट बाज़ार पूँजीकरण से भार। AIM के तीन-रंग वर्गीकरण (हरा, नारंगी, लाल) और केवल हरी श्रेणी की पात्रता बताएँ, पर लेख की सीमा के अनुसार स्पष्ट करें कि चयन-नियम प्रेस और AIM के प्रकाशित ढाँचे से लिए गए हैं, NSE Indices के आधिकारिक पद्धति-दस्तावेज़ से नहीं, और किसी विशिष्ट कंपनी का समावेश या बहिष्कार सत्यापित नहीं है। सीमाएँ रखें: (1) नैतिक कसौटी एक गैर-लाभकारी संस्था की पद्धति से आती है, जिसे AIM स्वयं 'व्यक्तिगत और व्यक्तिपरक' बताता है; (2) बैंक और NBFC जैसे बड़े क्षेत्रों के बाहर रहने से सूचकांक क्षेत्रीय रूप से झुक सकता है — यह निष्कर्ष आधिकारिक सूचकांक-पाठ से सत्यापित नहीं है; (3) प्रदर्शन या ETF की माँग का कोई आँकड़ा उपलब्ध नहीं। BSE Saatvik 100 की तुलना में बताएँ कि उसकी विज्ञप्ति में 'सात्त्विक' कसौटियाँ नहीं दी गईं, इसलिए सीधी तुलना संभव नहीं है।

निष्कर्ष में: निष्कर्ष में ESG से अंतर करते हुए कहें कि ऐसे सूचकांक निवेशकों को मूल्य-आधारित विकल्प देते हैं और पूँजी को अपेक्षाकृत कम हानि वाली कंपनियों की ओर ले जाने का प्रयास हैं, पर पद्धति की पारदर्शिता और क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व पर नज़र ज़रूरी है; घटक-सूची या प्रदर्शन के आँकड़े न बनाएँ, क्योंकि वे इस लेख में नहीं दिए गए।

स्रोत और सीमाएँ

- [प्राथमिक] AIM, AQ Scoring Framework: https://aimofindia.org/ethical-scoring/
- [प्राथमिक] BSE Index Services, मीडिया विज्ञप्ति, 17 जून 2026 (BSE Saatvik 100): https://www.bseindices.com/Downloads/MediaRelease/PRESS_RELEASE_BSE_Saatvik_100_20261706.pdf

- [प्रेस] The Times of India, NSE Indices द्वारा Nifty500 Ahimsa Index की घोषणा पर रिपोर्ट (ANI के हवाले से), जुलाई 2026: https://timesofindia.indiatimes.com/business/india-business/nse-indices-launches-nifty500-ahimsa-index-from-criteria-to-screening-how-the-ethical-benchmark-works/articleshow/132326935.cms
- [प्रेस] The Indian Express (व्याख्या), 23 जुलाई 2026 (केवल पहला अंश पढ़ा गया; शेष भाग सदस्यता-पाठ है): https://indianexpress.com/article/explained/explained-economics/nse-new-ahimsa-index-ethical-investing-animal-rights-10796425/

सीमा: NSE Indices का सूचकांक-विशिष्ट पद्धति-दस्तावेज़ और प्रेस विज्ञप्ति नहीं पढ़ी गई, इसलिए सभी NSE-विशिष्ट बातें प्रेस-आधारित हैं। IE का शेष विश्लेषण पढ़ा नहीं जा सका, इसलिए उसके आधार पर कोई दावा नहीं किया गया। घटक-सूची और सूचकांक के प्रदर्शन के आँकड़े नहीं दिए गए। AIM के ढाँचे को सूचकांक का आधिकारिक नियम न समझें।

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQ)

संक्षिप्त उत्तर: NSE की सूचकांक-शाखा NSE Indices ने जुलाई 2026 में Nifty500 अहिंसा इंडेक्स शुरू किया; Indian Express के अनुसार यह 10 जुलाई को लॉन्च हुआ।

प्रश्न: Nifty500 अहिंसा इंडेक्स क्या है?

NSE की सूचकांक-शाखा NSE Indices ने जुलाई 2026 में Nifty500 अहिंसा इंडेक्स शुरू किया; Indian Express के अनुसार यह 10 जुलाई को लॉन्च हुआ। यह Nifty 500 के उन शेयरों का थीमैटिक सूचकांक है जिनका व्यवसाय 'अहिंसा' के सिद्धांत, यानी पशुओं को हानि न पहुँचाने के मानक से मेल खाता माना गया।

प्रश्न: अहिंसा इंडेक्स का आधार और पुनर्संतुलन किस तरह बताया गया है?

TOI के अनुसार सूचकांक का आधार-दिनांक 1 अप्रैल 2016 और आधार-मूल्य 1,000 है; घटकों की समीक्षा और पुनर्संतुलन छमाही होगा तथा भार फ्री-फ्लोट बाज़ार पूँजीकरण से तय होंगे। TOI के अनुसार सूचकांक से फंड मैनेजरों के लिए बेंचमार्क बनने और ETF, इंडेक्स फंड जैसे उत्पादों के सृजन में मदद की अपेक्षा है। इस अध्ययन में NSE Indices का मूल पद्धति-दस्तावेज़ नहीं पढ़ा जा सका; इसलिए चयन-नियम प्रेस और AIM के प्रकाशित ढाँचे से लिए गए हैं।

प्रश्न: AIM कंपनियों को किन रंग-श्रेणियों में वर्गीकृत करता है?

AIM के प्रकाशित दस्तावेज़ के अनुसार वह किसी कंपनी को पशु-हानि के आधार पर तीन रंग-श्रेणियों में रखता है: हरा (उच्च अहिंसा-भागफल), नारंगी (मध्यम) और लाल (निम्न)। दस्तावेज़ कहता है कि लक्ष्य 100% अहिंसक कंपनियाँ खोजना नहीं, बल्कि अपेक्षाकृत कम हानि वाली कंपनियों की ओर पैसा ले जाना है।